देश का पम्प
शक्ति सोलर पम्प

SHAKTI
PUMPING LIFE

कस्तुरबाग्राम और पीथमपुर भी पहुंचा दल

15 देश के प्रतिनिधियों ने देखा रीजनल पार्क का सोलर प्लांट

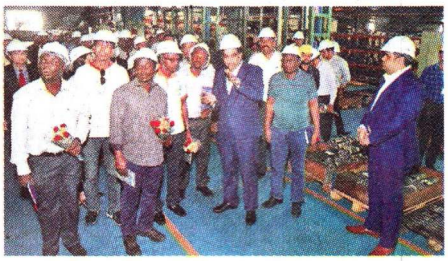

पीथमपुर स्थित कंपनी का अवलोकन करते दल।

रीजनल पार्क में सोलर प्लांट की जानकारी लेते दल।

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

सोलर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए गठित 121 देशों के अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के 15 देशों का उच्च स्तरीय अध्ययन दल सोमवार को इंदौर आया। दल ने रीजनल पार्क और कस्तुरबा ग्राम में सौर उर्जा से संबंधी किए गए कार्यों को देखा। दल के सदस्यों ने रीजनल पार्क में स्थापित 20 किलोवॉट क्षमता व कस्तुरबा ग्राम में 4 किलोवॉट क्षमता के सौर ऊर्जा सयंत्र और सिंचाई पंप भी देखा और जानकारी ली। दल ने सबसे पहले रीजनल पार्क पीपल्यापाला का संयंत्र देखा। इस संयंत्र से पार्क में रोशनी व अन्य कार्य किये जा रहे हैं। दल ने कस्तुरबाग्राम में स्थापित सौर ऊर्जा चलित सिंचाई पंप भी देखा। सदस्यों को बताया गया कि यहां स्थापित सिंचाई पंप से 10 एकड़ क्षेत्र में सिचाई की जा रही है।

3500 मेगावॉट के संयंत्रों पर चल रहा है काम

राज्य शासन के नवकरणीय ऊर्जा विभाग के प्रमुख संचिव मनु श्रीवास्तव ने दल को सौर उर्जा को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सौर व पवन ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए तेजी से काम किए जा रहे हैं। देश का सबसे बड़ा सौर संयंत्र रीवा में 750 मेगावॉट और मंदसौर में 250 मेगावॉट का संयंत्र स्थापित किया गया है। इसके अलावा पिछले तीन सालों में 3 हजार 500 मेगावॉट सौर-पवन ऊर्जा के सयंत्रों पर कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करने की दिशा में भी तेजी से काम हो रहा है। सौर उर्जा के प्रति नागरिकों में जनजागृति लाई जा रही है।

प्रधानमंत्री ने की थी संगठन बनाने की पेशकश

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की मेघा पुष्पेंद्र ने गठबंधन के गठन के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इंटरनेशनल सोलर एलायंस एकमात्र अंतराष्ट्रीय संगठन है, जिसका मुख्यालय भारत में है। इस संगठन का दायित्व कर्क व मकर रेखा के मध्य स्थित दुनिया के 121 देशों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना है, जिससे जलवायु परिवर्तन के कुप्रभावों को नियंत्रित किया जा सके। इस संगठन के गठन की रूपरेखा भारत के प्रधानमंत्री के द्वारा जलवायु परिवर्तन पर नवंबर 2015 में पेरिस में हुई सभा में रखी गई थी।

पीथमपुर में देखा प्लांट- उक्त दल पीथमपुर भी पहंचा था, यहां सौर ऊर्जा से चलित सिंचाई पंप बनाने वाली कम्पनी शक्ति पम्प का प्लांट देखा। इस दौरान सभी सदस्यों ने इकाई में पहने जाने वाला टोपी नुमा हेलमेट भी लगा रखा था। सदस्यों ने पंप बनाने की तकनीक समझी साथ ही कंपनी से कई अन्य जानकारी भी ली।

इन देशों के प्रतिनिधि आए- अफ्रीकी देश फिजी, किंग्डम ऑफ कम्बोडिया, यूगांडा, कोस्टारिका, जिम्बाब्वे, मडागास्कर, इथियोपिया, घाना, रवाना, बुरुन्डी, रवांडा, सिसल्स, साऊथ सूडान सहित अन्य देश के प्रतिनिधि शामिल थे।

आज इच्छावर जाएगा विदेशी दल- यह दल मंगलवार को भोपाल की ओर रवाना होगा और रास्ते में इच्छावर में 50 मेगावॉट सोलर पार्क का भ्रमण करते हुए ऊर्जा निगम मुख्यालय पहुंचेगा। प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान से चर्चा के बाद नई दिल्ली रवाना होगा।

Dabang Dunia_Indore_13.03.18_P02

चार किलोवाट के प्लांट से 10 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर दुनिया के 121 देशों के गठबंधन से बने इंटरनेशनल सोलर एलायंस (आईएसए) के 15 देश के प्रतिनिधि सोमवार को इंदौर पहुंचे। इंदौर के प्रयासों को बारीकी से देखा। उन्होंने 20 किलोवॉट सौर ऊर्जा बनाने वाले रिजनल पार्क प्रोजेक्ट, कस्तूरबा ग्राम के सिंचाई पम्प प्लांट को देखा। महज 4 किलोवॉट के प्लांट से 10 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई होते देखकर वे प्रभावित हुए। विदेशी प्रतिनिधियों ने इंदौर के पास पीथमपुर में सोलर पम्प बनाने वाले शक्ति पम्प कंपनी को भी देखा। मंगलवार को दल भोपाल के पास इच्छावर में 50 मेगावॉट सौर ऊर्जा उत्पादन करने वाला प्लांट देखेगा।

दल के साथ नवकरणीय ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव मनु श्रीवास्तव भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा, सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश में सबसे अधिक काम मप्र में हुआ है। इसी कारण आईएसए सदस्य पहुंचे हैं। देश का सबसे बड़ा सौर सयंत्र मप्र के रीवा में 750 मेगावाट का स्थापित किया जा रहा है। मंदसौर में 250 मेगावाट का एक प्लांट स्थापित किया गया है। प्रदेश में पिछले तीन वर्षों में 3 हजार 500 मेगावाट सौर तथा पवन ऊर्जा के सयंत्रों पर कार्य चल रहा है। प्रदेश सरकार ने मप्र में 14000 सौर ऊर्जा सिचाईं पम्प लगाने का पहला टारगेट रखा है। उन्होंने बताया, प्रदेश में रूफटॉफ सोलर सयंत्र स्थापित करने कि दिशा में भी काम हो रहा है।

इंटरनेशनल सोलर एलायंस से जुड़े 15 देशों के प्रतिनिधियों ने इंदौर के सोलर प्लांट देखे, दो दिवसीय मप्र दौरे पर अफ्रीकी देशों के प्रतिनिधि, किसानों के लिए एक साल में 14 हजार सोलर पम्प लगाएगी प्रदेश सरकार

2030 तक 1000 मेगावॉट का लक्ष्य

आईएसए का लक्ष्य है सौर ऊर्जा के माध्यम से भारत में ही 2030 तक 1000 मेगावॉट बिजली का उत्पादन शुरू हो जाए। इसे प्रोत्साहन देने के पीछे आम जनता, उद्योगों और किसानों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराना है। श्रीवास्तव ने बताया, सौर ऊर्जा प्लांट जितना बड़ा होगा, उतनी सस्ती बिजली मिलेगी। प्लांट लगाने में केंद्र और राज्य सरकार दोनों सब्सिडी देंगे।

121 देशों में से 60 ने किए हस्ताक्षर : सौर ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ाने के लिए दुनिया की कर्क और मकर रेखा पर आने वाले 121 देशों का संगठन पीए मोदी की पहल पर हुआ है। इस संगठन का हेड ऑफिस भारत में ही है। इन 121 में से 60 देशों ने एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर भी किए हैं। आईएसए में शामिल मेघा पुष्पेन्द्र ने 11 मार्च को इस संगठन को लेकर दिल्ली में बड़ा कार्यक्रम था, जिसमें कई देशों के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री शामिल हुए थे। मंगलवार को इंदौर आया दल भोपाल जाकर सीएम से भी मुलाकात करेगा।

इन देशों के प्रतिनिधि

फिजी, किंग्डम ऑफ कम्बोडिया, युगांडा, कोस्टारिका, जिम्बाब्वे, मडागास्कर, इथीयोपिया, घाना, गुयाना, बुरीडी, रवांडा, सिसल्स, साउथ सूडान आदि देशों के सदस्य शामिल थे।

Patrika_Indore_13.03.18_P02

देश का पम्प
शक्ति सोलर पम्प

SHAKTI
PUMPING LIFE

सूरज की रोशनी से देखी बिजली बनते

इंटरनेशनल सोलर एलायंस का कारवां पहुंचा इंदौर

इंदौर। नईदुनिया प्रतिनिधि

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए भारत की अगुवाई में बने इंटरनेशनल सोलर अलायंस का कारवां सोमवार को इंदौर पहुंचा। तमाम देशों में सौर ऊर्जा पर काम करने वाले प्रतिनिधि अधिकारियों की मेजबानी में इंदौर पहुंचे। छत से लेकर खेत में उन्होंने सूरज की रोशनी से बिजली बनते देखी। शाम को बिजली बनाने वाले इन उपकरणों को फैक्टरी में बनते देखा।

इंटरनेशनल सोलर अलायंस की डॉ.मेघा पुष्पेंद्र के साथ शहर पहुंचे विदेशी प्रतिनिधिमंडल में अफ्रीकी और दक्षिण अमेरिकी देशों के लोग शामिल थे। इनमें जिम्बाब्वे, टोबैगो, घाना, युगांडा, सेशल्स, बुरुंडी, गुयाना, मलावी, कोस्टारिका, मेडागास्कर और साउथ सूडान समेत दस से ज्यादा देशों के अधिकारी शामिल थे। अपने-अपने देशों में ये प्रतिनिधि सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं। प्रमुख सचिव नवीन व नवीनीकरण ऊर्जा विभाग मनु श्रीवास्तव ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को सोलर प्लांटों व सौर ऊर्जा पर हो रहे कामों की जानकारी दी। विदेशी प्रतिनिधि मंडल अधिकारियों के साथ पीपल्यापाला तालाब किनारे बने रीजनल पार्क पहुंचा। यहां नगर निगम की छत पर बने 20 किलोवॉट क्षमता के सोलर प्लांट के बारे में प्रतिनिधियों ने जानकारी ली। प्लांट की तकनीक से लेकर लागत तक के बारे में विदेशी प्रतिनिधियों ने सवाल किए। प्रमुख सचिव ने उन्हें जानकारी दी कि राज्य और केंद्र सरकार मिलकर सोलर प्लांट स्थापित करने पर 25 से 45 प्रतिशत तक की सब्सिडी दे रही है। इस पर विदेशी प्रतिनिधियों ने पूछा कि सब्सिडी किस रूप में दी जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि कैपिटल सब्सिडी के तौर पर लाभ मिल रहा है। अधिकारी ने बताया कि सोलर प्लांट से बनने वाली बिजली ग्रिड में चली जाती है। जितनी बिजली प्लांट में बन रही है उतने यूनिट्स की छूट बिजली के बिल में दे दी जाती है।

रीजनल पार्क में नगर निगम बिल्डिंग की छत पर लगे 20केवी क्षमता के सोलर प्लांट को देखने सोमवार को दस देशों के प्रतिनिधि पहुंचे।

फैक्टरी में देखी तकनीकी

दोपहर बाद प्रतिनिधि मंडल पीथमपुर स्थित शक्ति पंप की फैक्टरी पहुंचा। शक्ति पंप के डायरेक्टर दिनेश पाटीदार ने सोलर प्लांट डिवीज़न की जानकारी दी।

प्रदेश सबसे आगे : प्रमुख सचिव श्रीवास्तव ने कहा कि सौर ऊर्जा के लिए विश्वव्यापी गठबंधन और संधि बनाने में भारत अग्रणी भूमिका निभा रहा है। एलायंस का हेडक्वॉर्टर भारत में बनाया है क्योंकि कर्क और मकर रेखा के बीच स्थित धरती के हिस्से पर सूरज की रोशनी सीधी और साल में सबसे ज्यादा पड़ती है इसलिए क्षेत्र के 121 देशों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना अलायंस का मुख्य लक्ष्य है। श्रीवास्तव ने कहा सौर ऊर्जा के उत्पादन और इस्तेमाल में प्रदेश अग्रणी है। लिहाजा प्रतिनिधिमंडल दो दिनों तक प्रदेश में सौर ऊर्जा क्षेत्र में हुए काम को देखेगा। 13 मार्च को इछावर सीहोर में 50 मेगावॉट क्षमता के सोलर प्लांट को भी देखेंगे। उस दौरान मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना के तहत प्रदेश के खेतों में स्थापित किए जा रहे 14 हजार सिंचाई पंपों को भी दिखाया जाएगा।

Naidunia_Indore_13.03.18_P03

इंटरनेशनल सोलर एलायंस टीम ने किया शक्ति पम्प्स इकाई का दौरा

पीपुल्स संवाददाता • पीथमपुर
मो.नं. 8269018775

सोलर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए गठित 121 देशों के अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के 15 देशों का उच्च स्तरीय अध्ययन दल आज इंदौर आया। इस अध्ययन दल ने इंदौर के रीजनल पार्क पिपलियापाला, कस्तूरबा ग्राम व पीथमपुर शक्ति पम्प इकाई में सौर ऊर्जा संबंधी किए गए कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने सौर ऊर्जा संयंत्र और सिंचाई पम्प को देखा तथा उनकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

इस दल में प्रमुख रूप से अफ्रीकी देशों फिजी, किंग्डम ऑफ कम्बोडिया, युगाण्डा, कोस्टारिका, जिम्बाब्वे, मडागास्कर, इथोपिया, घाना, ग्वाना, बुरिंडी, रवांडा, सिसल्स, साऊथ सूडान सहित अन्य देशों के सदस्य शामिल थे। अध्ययन दल ने सबसे पहले रीजनल पार्क पिपलियापाला पहुंचकर वहां स्थापित 20 किलोवॉट क्षमता के सौर उर्जा संयंत्र का अवलोकन किया। इससे पार्क में रोशनी तथा अन्य कार्य किए जा रहे हैं। दल के सदस्यों ने कस्तूरबा ग्राम पहुंचकर वहां स्थापित सौर ऊर्जा चलित सिंचाई पम्प का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर बताया गया कि यहां स्थापित सिंचाई पम्प से 10 एकड़ क्षेत्र में सिचाई की जा रही है।

इस अवसर पर राज्य शासन के नवकरणीय ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव मनु श्रीवास्तव ने अध्ययन दल को राज्य में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए तेजी से काम किए जा रहे हैं। प्रदेश में देश का सबसे बड़ा सौर संयंत्र रीवा में 750 मेगावॉट का तथा मंदसौर में 250 मेगावॉट का स्थापित किया गया है। इसके अलावा प्रदेश में तीन वर्षों में 3 हजार 500 मेगावॉट सौर तथा पवन ऊर्जा के संयंत्रों पर कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में रूफ टॉफ सोलर संयंत्र स्थापित करने की दिशा में भी तेजी से काम हो रहा है, सौर ऊर्जा के प्रति नागरिकों में जनजागृति लाई जा रही है।

उन्होंने बताया कि 'इंटरनेशनल सोलर एलायंस' का मुख्यालय भारत में है। इस संगठन का दायित्व कर्क रेखा व मकर रेखा के मध्य स्थित दुनिया के लगभग 121 देशों में सोलर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना है, जिससे जलवायु परिवर्तन के कुप्रभावों को नियंत्रित किया जा सके। इस संगठन के गठन की रूपरेखा, भारत के प्रधानमंत्री द्वारा जलवायु परिवर्तन पर नवम्बर-2015 में पेरिस में सम्पन्न सभा में रखी गई थी। उन्होंने बताया कि गत 11 मार्च को इस संगठन का कार्यक्रम राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में हुआ।

People's Samachar_Indore_15.03.18_P14

देश का पम्प
शक्ति सोलर पम्प

SHAKTI
PUMPING LIFE

15 देशों के प्रतिनिधिमंडल ने रीजनल पार्क और कस्तूरबाग्राम में सौर ऊर्जा प्लांट देखा

प्रदेश में रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किया जाएगा

अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन के 15 देशों का प्रतिनिधिमंडल अध्ययन दौरे पर इंदौर आया

प्रतिनिधिमंडल ने कई जानकारियां एकत्र की

पीपुल्स संवाददाता • इंदौर
मो.नं. 9827095566

सोलर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए गठित 121 देशों के अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन के 15 देशों का उच्च स्तरीय अध्ययन दल सोमवार को इंदौर आया। इस अध्ययन दल ने इंदौर के रीजनल पार्क पिपलियापाला तथा कस्तूरबाग्राम में सौर ऊर्जा संबंधी किए गए कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने रीजनल पार्क में स्थापित 20 किलोवाट क्षमता के तथा कस्तूरबा ग्राम में करीब 4 किलोवाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र और सिंचाई पंप को देखा तथा उनकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

कस्तूरबा ग्राम का प्लांट का अवलोकन

इस अध्ययन दल ने सबसे पहले रीजनल पार्क पिपलियापाला पहुंच कर वहां स्थापित 20 किलोवाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र का अवलोकन किया। इससे पार्क में रोशनी तथा अन्य कार्य किए जा रहे हैं। दल के सदस्यों ने कस्तूरबाग्राम पहुंचकर वहां स्थापित सौर ऊर्जा चलित सिंचाई पम्प का अवलोकन भी किया।

10 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई

इस अवसर पर बताया गया कि यहां स्थापित सिंचाई पंप से 10 एकड़ क्षेत्र में सिचाई की जा रही है। इस अवसर पर राज्य शासन के नवकरणीय ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव मनु श्रीवास्तव ने अध्ययन दल को राज्य में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

सबसे बड़ा सौर संयंत्र रीवा में

उन्होंने बताया कि प्रदेश में सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए तेजी से काम किए जा रहे हैं। प्रदेश में देश का सबसे बड़ा सौर संयंत्र रीवा में 750 मेगावाट का तथा मंदसौर में 250 मेगावाट का स्थापित किया गया है। इसके अलावा प्रदेश में पिछले तीन वर्षों में 3 हजार 500 मेगावाट सौर तथा पवन ऊर्जा के संयंत्रों पर कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करने कि दिशा में भी तेजी से काम हो रहा है, सौर ऊर्जा के प्रति नागरिकों में जनजागृति लाई जा रही है।

इन देशों के प्रतिनिधि आए थे

इस दल में प्रमुख रूप से अफ्रीकी देशों फिजी, किंगडम ऑफ कम्बोडिया, यूगांडा, कोस्टारिका, जिम्बाब्वे, मेडागास्कर, इथोपिया, घाना, ग्वाना, बुरुंडी, रवांडा, सेशेल्स, साउथ सूडान सहित अन्य देशों के सदस्य शामिल थे।

पीथमपुर का प्लांट का दौरा

दौरे के दौरान दल के सदस्यों ने पीथमपुर पहंच कर सौर ऊर्जा से चलित सिचाई पंप बनाने वाली कम्पनी शक्ति पंप की इकाई का अवलोकन भी किया।

15 देशों के प्रतिनिधिमंडल ने रीजनल पार्क में सोलर प्लांट का अवलोकन किया।

People's Samachar_Indore_13.03.18_P03

15 देशों के सोलर एलायंस प्रतिनिधियों ने देखा सोलर ऊर्जा का सेटअप

देवास। जिले में मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना के तहत 5 एचपी के पंपों की यूनिटों को लगाया गया है। इन यूनिटों का निरीक्षण करने के लिए 15 देशों के इंटरनेशनल सोलर एलायंस प्रतिनिधि मंडल गत दिवस देवास पहुंचे।

इस प्रतिनिधि मंडल ने सोलर पंप की यूनिट को देखा, जिसमें युगांडा, फिजी, जिम्बावे, मेडागास्कर, इथोपिया, घाना, गवाना, बुलिंडी, साउथ सुडान सहित अन्य देशों के सदस्य भी शामिल है। प्रतिनिधि मंडल ने देवास जिले की सोनकच्छ तहसील के गांव अरनिया जागीर के किसान नरेंद्रसिंह राजपूत के खेत में मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना के अंतर्गत स्थापित 5 एच.पी. के सोलर पंप का निरीक्षण किया। जिला कार्यालय ऊर्जा विकास निगम के अधिकारी दीपक बुलानी ने प्रतिनिधि मंडल को मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना के अंतर्गत देवास जिले में स्थापित किये गये सोलर पंपों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देवास जिला सोलर पंप योजना में पूरे प्रदेश में टॉप पर चल रहा है। वर्तमान में देवास जिले में लगभग 1500 सोलर पंप इस योजना के अंतर्गत पंजीकृत हो चुके है एवं इनमें से लगभग 525 पंपों की स्थापना की जा चुकी है। शेष सोलर

पंपों की स्थापना होना बाकी है। किसानों के लिए यह सोलर पंप योजना अभी चालू है। शक्ति पंप इण्डिया लिमिटेड पीथमपुर के अधिकारी खुर्शीद अंसारी एवं यश शर्मा ने प्रतिनिधि मण्डल को सोलर पंप की कार्यशैली एवं तकनीक के संबंध में जानकारी दी।

शासन से मिलता है अनुदान-प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों को मध्यप्रदेश शासन के नवकरणीय ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव मनु श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना के अंतर्गत किसानों को दिये जा रहे शासकीय अनुदानों की जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि किसानों के यहां 85 से 90 प्रतिशत शासकीय अनुदान पर सोलर पंप की स्थापना पूरे प्रदेश में निगम के द्वारा की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिला कलेक्टर कार्यालय देवास में 80 किलोवॉट के सोलर रूफ टॉप संयत्र की स्थापना का कार्य ग्रिड कनेक्टेड योजना के अंतर्गत चल रहा है। इस योजना के अंतर्गत सौर ऊर्जा से बिजली बनाओ, उपयोग करो एवं अतिशेष उत्पादित बिजली को ग्रिड के द्वारा विद्युत मंडल क्रय कर लेता है। देवास कलेक्टर कार्यालय के संयंत्र का उद्घाटन अतिशीघ्र होने जा रहा है। इसी प्रकार 60 किलोवॉट का संयत्र देवास में बीएसएनएल कार्यालय कालानी बाग में निगम के द्वारा स्थापित किया जा चुका है। यह संयत्र सफलतापूर्वक चल रहा है। गाँव अरनिया जागीर के किसान नरेन्द्रसिंह राजपूत ने अपने खेत में स्थापित सोलर पंप से होने वाली बिजली के बिल में बचत, उपयोग एवं फायदे के बारे में प्रतिनिधि मण्डल को बताया। इसके पश्चात प्रतिनिधि मंडल प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात करने हेतु भोपाल रवाना हुआ।

Swadesh_Indore_15.03.18_P10

देश का पम्प
शक्ति सोलर पम्प

SHAKTI
PUMPING LIFE

इंटरनेशनल सोलर एलायंस देशों का प्रतिनिधि मण्डल इंदौर आया

- रिजनल पार्क तथा कस्तुरबा ग्राम में सौर ऊर्जा कार्यों का अवलोकन
- पीथमपुर में सौलर पंप का प्लांट भी देखा

इंदौर (आरएनएन)। सोलर उर्जा को बढ़ावा देने के लिये गठित 121 देशों के इंटरनेशनल सोलर एलायंस के 15 देशों का उच्च स्तरीय अध्ययन दल सोमवार को इंदौर आया। इस अध्ययन दल ने इंदौर के रीजनल पार्क पिपलियापाला तथा कस्तुरबा ग्राम में सौर उर्जा संबंधी किये गये कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने रीजनल पार्क में स्थापित 20 किलोवाट क्षमता के तथा कस्तुरबा ग्राम में करीब 4 किलोवाट क्षमता के सौर उर्जा सयंत्र और सिचाई पम्प को देखा तथा उनकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। इंटरनेशनल सोलर एलायंस उन देशों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं जहां सौर ऊर्जा प्रचुरता में उपलब्ध है।

सौर उर्जा पर भारत का बड़ा प्रयास : आईएसए ऊर्जा के उपयोग और गरीबी उन्मूलन में भी मुख्य भूमिका निभा रहा है। विशेष रूप से अफ्रीकी देशों में जहाँ उर्जा की उपलब्धता नगण्य है। नेशनल फोकल पॉइंट्स (एनएफपी) के प्रमुख प्रतिनिधिमंडल, 17 अफ्रीकी देशों से हैं। इसके सदस्य देश में आवश्यक नीति निर्माताओं की महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ इंटरनेशनल स्टेक होल्डर्स के लिए प्रमुख संपर्क, समन्वय एवं बातचीत को क्रियान्वित भी करते हैं। अफ्रीकी देशों के एनएफपी के अलावा, प्रतिनिधिमंडल में मुख्यत एनआईएसई से इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी विशेषज्ञ, एमएनआरई और एमपीयूवीएन आदि शामिल हैं।

अफ्रीकी देशों सौर उर्जा का उपयोग कम : इस दल में प्रमुख रूप से अफ्रीकी देशो फिजी, किंग्डम ऑफ कम्बोडिया, यूगाण्डा, कोस्टारिका, जिम्बाम्बे, मडागास्कर, इथोपिया, घाना, ग्वाना, बुरीन्डी, रवान्डा, सिसल्स, साऊथ सुड़ान सहित अन्य देशों के सदस्य शामिल थे। अध्ययन दल ने सबसे पहले रीजनल पार्क पिपलियापाला पहुंच कर पार्क में रोशनी तथा अन्य कार्य के लिए स्थापित 20 किलोवाट क्षमता के सौर उर्जा सयंत्र [illegible] अवलो[illegible] ने कस्तुरबा ग्राम पहुंच सिंचाई के लिए स्थापित सौर उर्जा चालित सिचाई पंम्प का अवलोकन भी किया।

जलवायु परिवर्तन पर नियंत्रण : इंटरनेशनल सोलर एलायंस की सुश्री मेघा पुष्पेन्द्र ने गठबंधन के गठन के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आईएसए एकमात्र एकमात्र टेरेटरी आधारित अंतराष्ट्रीय इंटर गवर्मेंटल संगठन है, जिसका मुख्यालय भारत में है। इस संगठन का दायित्व कर्क रेखा व मकर रेखा के मध्य स्थित दुनिया के लगभग 121 देशों में सोलर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना है, जिससे जलवायु परिवर्तन के कुप्रभावों को नियंत्रित किया जा सके।

प्रदेश के सौर प्रोजेक्ट की जानकारी दी : [illegible] शासन के [illegible] भाग के प्रमुख [illegible] ने अध्ययन [illegible] र्जा कार्यों की [illegible] आपना स्थ[illegible] पर गए।

प्रदेश में सौर उर्जा तथा पवन उर्जा को बढ़ावा दिया जा रहे है। देश का सबसे बड़ा सौर सयंत्र रीवा में 750 मेगावाट का तथा मंदसौर में 250 मेगावाट का प्रदेश में स्थापित किया गया है। पिछले तीन वर्षों में 3 हजार 500 मेगावाट सौर तथा पवन उर्जा के सयंत्रों पर कार्य चल रहा है। प्रदेश में रूफटॉप सोलर सयंत्र से सौर उर्जा के प्रति नागरिकों में जनजाग्रति लाई जा रही है। विदेशी प्रतिनिधियों को सौर उर्जा के इन कार्यों से खासे प्रभावित हुए।

पीथमपुर में प्लांट भी देखा : इंटरनेशनल सोलर एलायंस के अध्ययन दल ने पीथमपुर स्थित शक्ति पंप्स लिमिटेड में विज़िट की। शक्ति पम्प्स इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर दिनेश पाटीदार ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने शक्ति पम्पस के सोलर प्लांट डिवीज़न की विशेष सराहना की। प्रतिनिधियों ने आश्चर्य जताया कि देश के इस हिस्से में सोलर पम्पस बनाने की तकनीक पर इतना काम हुआ है। कंपनी ऑफ-ग्रिड और ऑन-ग्रिड एप्लीकेशन के साथ सौर वॉटर पम्पिंग टेक्नॉलॉजी काम कर रही है। क्लीन एनर्जी एप्लीकेशन्स और पर्यावरण की बचत में भी योगदान दिया जा रहा है। प्रतिनिधमंडल ने पीथमपुर में शक्ति पंप्स के प्लांट देखने के बाद केवीके कस्तूरबा ग्राम एवं नेवरी देवास में शक्ति सोलर पम्प के

Raj Express_Indore_13.03.18_P05

सोलर पंप दुनिया के लिए गेम चेंजर साबित होगा

15 देशों के प्रतिनिधियों ने किया मध्यप्रदेश का दौरा

भोपाल (प्रसं)।नवीन और नवकरणीय ऊर्जा मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि सोलर पम्प दुनिया के लिए गेम चेंजर साबित होगा। इससे किसानों की समृद्धि और राष्ट्र की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी। श्री कुशवाहा से सौर ऊर्जा आधारित प्रणालियों के सफल निष्पादन के लिए इंटरनेशनल सोलर अलांयस के 15 देशों के प्रतिनिधियों ने मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों में राष्ट्रीय फोकल बिन्दु के कंबोडिया, गुईना, मैडागास्कर, मलावी, दक्षिण सूडान, जिम्बाबवे, सेशेल्स, रवांडा, कोस्टारिका, फिजी, युंगाडा, बुरूंडी, घाना और गुयाना के सदस्य शामिल थे।

प्रमुख सचिव मनु श्रीवास्तव ने जानकारी दी है कि प्रतिनिधि-मंडल के सदस्यों ने इंदौर के रिजनल पार्क (पिपलियापाला) स्थित 20 किलोवाट ग्रिड कनेक्टेड सोलर रूफ टॉप सिस्टम का दौरा किया। सदस्यों द्वारा सिंचाई प्रणाली के लिए कृषि विज्ञान केंद्र में स्थापित पांच एचपीएसी सोलर पम्प का तथा अरनिया ब्लॉक सोनकच्छ जिला देवास में नरेंद्र सिंह राजपूत के खेत में स्थापित पांच एचपी डीसी सोलर पम्प की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पम्प प्रणाली की कार्य-क्षमता और रखरखाव के मापदंडों में गहरी दिलचस्पी दिखाई जो मोबाइल एप के माध्यम से नियंत्रणीय है। सदस्यों ने पीथमपुर में मेसर्स शक्ति पंम्प (ई) लिमिटेड तथा इच्छावर में स्थित 50 मेगावाट सोलर प्रोजेक्ट साइट का भी भ्रमण किया।

Raj Express_Indore_15.03.18_P13